Two Days Public Awareness Programme On Nuclear Energy

August 25-26, 2011, Lucknow

A two-day awareness programme on the role of nuclear energy in India's energy security was organized in Lucknow on August 25 and 26. The programme included an exhibition, question answer session and display of materials and other exhibits related to nuclear energy.

A large number of students, many of them from Lucknow University and others visited the programme and also attended the screening of a short film on the role of nuclear energy in ushering in prosperity. The event was organized by MCRF as part of a campaign to clear doubts over nuclear energy and its role in India's future energy security.

The short animated film **'Ek tha Budhiya'** has been produced by Nuclear Power Corporation of India Limited (NPCIL) based on a story and concept by Amritesh Srivastava, media and corporate

Shri. R.M Lal, President, MCRF (Media & Communication Research Foundation) briefing the audience about the various applications of nuclear energy

communication manager at NPCIL. It tells the tale of a village where the residents are apprehensive of the outcome of setting up a nuclear power plant, fearing a catastrophe and health hazards in its wake. It is for a young educated boy of the village to talk to the elders and convince them that their

fears are unfounded. The story was initially developed in the form of a comic and after its great popularity; it was produced in an animated form, which is also proving very useful in promoting the role of nuclear energy and dispelling several wrong notions associated with nuclear energy.

Also on display were factsheets, flyers and pamphlets with messages explaining the growth of nuclear energy sector in India and its role in India’s future energy security programme. An overall presentation on nuclear energy by the NPCIL was also shown to the visitors that included media persons and academicians.

Visitors discussing about various aspects of nuclear energy at public awareness programme

Articles and reports by various experts highlighting the peaceful uses of nuclear energy for electricity generation, as well as for non-electricity uses were also displayed. Photographs of the Hall of Nuclear Power, inaugurated recently in Mumbai’s Nehru Science Centre, were also put on display.

Visitors having questions regarding radiation hazards, safety concerns related to nuclear power plants, place of nuclear energy as against other forms of energy and India’s nuclear energy programme were able to find answers in the publications and pamphlets displayed and distributed on the occasion.

Mr R.M. Lal of the MCRF said the non-electricity uses of nuclear energy included irradiation of seeds and fruits, in the gem and jewellery industry besides in medicine and surgery. Mr Ram Krishna, coordinator of the programme, said that it was planned to organize similar programmes in other cities of Uttar Pradesh, and in coming months, it would be taken to other cities also. Experts from the field of medicine would also be associated to tell the people about the role of radiation in medical diagnostics, he said.

Media Coverage
On Two Days Public Awareness Programme about Nuclear Energy
25-26 August 2011, Lucknow

को भी शिरकत करनी है।

Swatantra Bharat, Lucknow, Aug 28-2011, Page 7

'सशक्त भारत के निर्माण में परमाणु ऊर्जा की प्रमुख भूमिका'

लखनऊ (सं.)। भारत में परमाणु ऊर्जा की बढ़ती जरूरत तथा भारतीय ऊर्जा सशक्तीकरण में परमाणु ऊर्जा की प्रमुख भूमिका पर साथ ही भारतीय जन मानस में परमाणु ऊर्जा के सम्बन्ध में व्याप्त भ्रान्तियों के निवारण तथा उनके पूर्ण समाधान के उद्देश्य हेतु एमसीआरएफ द्वारा लखनऊ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम किया गया जिसमें लखनऊ विश्वविद्यालय सहित काल्विन तालुकेदार आईटी कालेज तथा आसपास के अन्य विद्यालयों से बड़ी संख्या में छात्र छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर भारतीय ऊर्जा सशक्तीकरण में परमाणु ऊर्जा की विस्तृत जानकारी प्रदान करने वाले साहित्य का वितरण किया गया साथ ही इस विषय पर देश-विदेश के पत्र-पत्रिकाओं में छपे लेखों को प्रदर्शित किया गया। इसके साथ ही मुम्बई में उद्घाटित हाल आफ न्यूक्लिअर पावर के छाया

जागरूकता कार्यक्रम

चित्रों की प्रदर्शनी भी आयोजित की गयी।

जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित विशेषज्ञों ने वहां आये। इस अवसर पर न्यूक्तियर पावर कार्पोरेशन आफ इण्डिया लिमिटेड द्वारा निर्मित लघु फिल्म एक था बुधिया दिखायी गयी जिसके माध्यम से यह बताया गया कि न्यूक्लिअर पावर प्लान्ट ए ने केवल राष्ट्र की उन्नति होती है बल्कि उससे सभी को लाभ होता है और परमाणु ऊर्जा के प्रति लोगों में डर तथा भय को दूर किया गया। इस अवसर पर मीडिया ऊर्जा के विद्युत उत्पादन के अतिरिक्त अन्य क्षेत्रों में इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला साथ उन्होंने भारत में परमाणु ऊर्जा के कम उपयोग पर चिन्ता व्यक्त की।

जागरूकता कार्यक्रम के समन्वयक राम कृष्ण ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन पूरे प्रदेश में किये जाने की योजना है तथा इस दौरान विषय विशेषज्ञ लोगों को परमाणु ऊर्जा के प्रति लोगें की जागरूक करेंगे तथा व्याप्त भ्रान्तियों को दूर करेंगे। आयोजन में सम्मिलित बी.काम के छात्र वरुण गुप्ता, विपिन मौर्या, दिव्यांक श्रीवास्तव ने बताया कि आज के पहले परमाणु ऊर्जा या रिएक्टर का मतलब खतरा होता था परन्तु अब इसका अर्थ है हमारे लिए सशक्त भारत का निर्माण है।

Swatantra Bharat,
Lucknow
August 27, 2011

Dainik Jagran,
Lucknow
August 26, 2011

नाभिकीय ऊर्जा से पूरी होंगी ऊर्जा जरूरतें

लखनऊ, 26 अगस्त (जाका) : लगातार बढ़ रही जनसंख्या की ऊर्जा संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए नाभिकीय ऊर्जा ही बेहतर विकल्प है। इसी के तहत राजधानी में 'भारत को ऊर्जा संपन्न बनाने में नाभिकीय ऊर्जा की भूमिका' विषयक जागरूकता कार्यक्रम मीडिया एंड कम्यूनिकेशन रिसर्च फाउंडेशन द्वारा आयोजित किया गया।

जागरूकता कार्यक्रम में नाभिकीय ऊर्जा पर आधारित लघु फिल्म 'एक था बुधिया' दिखाई गई। फिल्म का निर्माण 'न्यूक्लिअर पॉवर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड' के सूचना अधिकारी अमृतेश श्रीवास्तव ने किया था।

कार्यक्रम में न्यूक्लिअर पॉवर कई अधिकारियों समेत नाभिकीय ऊर्जा विशेषज्ञ मौजूद थे। विशेषज्ञों ने नाभिकीय ऊर्जा की जरूरतों और ऊर्जा सशक्तीकरण में इसकी भूमिका पर विस्तृत जानकारी दी।

The Times of India,
Lucknow
August 27, 2011

CITY DIGEST

Awareness programme on nuclear energy held: A two-day awareness programme on 'the role of nuclear energy in India's energy security' was organised here. The programme included an exhibition, question answer session and display of materials and other exhibits related to nuclear energy. A large number of students, many of them from Lucknow University and visited the programme and also attended the screening of a short film on the role of nuclear energy in ushering in prosperity. The event was organised by MCRF as part of a campaign to clear doubts over nuclear energy and its role in India's future energy security. Articles and reports by various experts highlighting the peaceful uses of nuclear energy for electricity generation, as well as for non-electricity uses were also displayed.

Daily News Activist, Lucknow, Aug 27/11, page 6

नाभिकीय ऊर्जा की भ्रांतियों को दूर करने के लिए प्रदर्शनी

डेली न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारत को ऊर्जा सम्पन्न बनाने में नाभिकीय ऊर्जा (न्यूक्लिअर-एनर्जी) की भूमिका विषयक प्रदर्शनी और न्यूक्लिअर एनर्जी के बारे में समाज में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करने के उद्देश्य से एमसीआरएफ ने दो दिवसीय (25-26 अगस्त 2011) जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विशेषज्ञों ने जिज्ञासुओं के सवालों का जवाब देकर समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करने का सफल प्रयास किया। इस कार्यक्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय सहित शहर और आसपास के विभिन्न कॉलेजों से बड़ी संख्या में आए छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

• दो दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

न्यूक्लिअर एनर्जी की भूमिका विषय पर आधारित एक लघु फिल्म 'एक था बुधिया' भी दिखाई गई। इसका निर्माण न्यूक्लिअर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने किया है। इस फिल्म की कहानी और संवाद एनपीसीआईएल के मीडिया एंड कारपोरेट कम्युनिकेशन मैनेजर अमृतेश श्रीवास्तव ने लिखे हैं। 'एक था बुधिया का' प्रकाशन पहली बार कॉमिक्स के रूप में किया गया था। न्यूक्लिअर एनर्जी के प्रति जागरूकता और फैली भ्रांतिओं के निवारण के मद्देनजर इसकी लोकप्रियता और उपयोगिता को देखते हुए बाद में इसकी एनिमेशन फिल्म तैयार की गई।

जागरूकता कार्यक्रम में भारत में न्यूक्लिअर एनर्जी की बढ़ती जरूरत और भारतीय ऊर्जा सशक्तीकरण में इसकी भूमिका की विस्तृत जानकारी देते हुए साहित्य का भी वितरण इस दौरान किया गया। कार्यक्रम में हिस्सा लेने आए शिक्षाविदों और छात्र-छात्राओं ने हाल ही में मुम्बई में उद्घाटित हाल ऑफ न्यूक्लिअर पावर के छायाचित्रों का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर एमसीआरएफ की तरफ से मौजूद आरएम लाल ने बिजली के अलावा अन्य क्षेत्रों में न्यूक्लिअर एनर्जी के उपयोग पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम समन्वयक राम कृष्णा ने बताया कि जल्द ही इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन प्रदेश के अन्य स्थानों पर भी किया जाएगा।

Daily News Activist, Lucknow
August 27, 2011

बदहाली का दृश्य | रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया

Jan Sandesh Times Lucknow Aug 27, 11, page 4

नाभिकीय ऊर्जा की भ्रांतियां दूर करने की कोशिश

लखनऊ। एमसीआरएफ (मीडिया एंड कम्युनिकेशन रिसर्च फाउंडेशन) ने भारत को ऊर्जा सम्पन्न बनाने में नाभिकीय ऊर्जा की भूमिका विषयक प्रदर्शनी और इस बारे में समाज में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करने के उद्देश्य से दो दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान विशेषज्ञों ने जिज्ञासुओं के सवालों का जवाब देकर समाज में फैली भ्रांतियां दूर करने का प्रयास किया। इस कार्यक्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय सहित शहर और आसपास के विभिन्न कॉलेजों से बड़ी संख्या में आए छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

जागरूकता

प्रदर्शनी आयोजित, लघु फिल्म 'एक था बुधिया' भी दिखाई गई

जागरूकता अभियान के तहत भारत को सशक्त बनाने में न्यूक्लियर एनर्जी की भूमिका विषय पर आधारित एक लघु फिल्म 'एक था बुधिया' भी दिखाई गई। इसका निर्माण न्यूक्लियर पॉवर कार्पोरेशन ऑफ इंडिया ने किया है। इस फिल्म की कहानी और संवाद एनपीसीआइएल के मीडिया एंड कॉरपोरेट कम्यूनिकेशन मैनेजर अमृतेश श्रीवास्तव ने लिखे हैं। इसमें एक गांव की कहानी दिखाई गई है जहां न्यूक्लियर एनर्जी प्लांट लगने की सूचना से लोग भयभीत हैं। गांववासी डरे हैं कि अगर प्लांट लगा तो उनकी जान पर बन आएगी। विकिरण फैल जाएगा और वे कई रोगों के चपेट में आ जाएंगे। ऐसे में गांव का एक शिक्षित युवक न सिर्फ उनका भ्रम दूर करता है बल्कि प्लांट से उनके गांव, राज्य और देश को होने वाले लाभ के बारे में भी बताता है। अमृतेश द्वारा रचित एक था बुधिया का प्रकाशन पहली बार कॉमिक्स के रूप में किया गया। इसमें हिस्सा लेने आए शिक्षाविदों और छात्रों ने हाल ही में मुंबई में उद्घाटित हॉल ऑफ न्यूक्लियर पावर के छायाचित्र भी देखे। एमसीआरएफ की तरफ से मौजूद आरएम लाल ने बिजली के अलावा अन्य क्षेत्रों में न्यूक्लियर एनर्जी के उपयोग पर विस्तार से प्रकाश डाला। *कासं*

Jansandesh Times, Lucknow
August 27, 2011

Hinsutan,
Lucknow
August 28, 2011

नाभिकीय ऊर्जा की अहम भूमिका

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

लखनऊ। भारत को ऊर्जा सम्पन्न बनाने में नाभिकीय ऊर्जा की अहम भूमिका है। इसके बारे में जानकारी देने के उद्देश्य से एमसीआरएफ ने दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय सहित विभिन्न कॉलेजों से बड़ी संख्या में आए छात्रों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में नाभिकीय ऊर्जा की भूमिका विषय पर आधारित एक लघु फिल्म 'एक था बुधिया' प्रदर्शित की गई। फिल्म की कहानी एनपीसीआईएल के मीडिया एवं कॉरपोरेट कम्युनिकेशन मैनेजर अमृतेश श्रीवास्तव ने लिखी है। फिल्म में एक गांव के बारे में बताया गया है जहां एक न्यूक्लियर एनर्जी प्लांट लगना है। गांव वाले इसके दुष्परिणामों से सशंकित हैं। लेकिन गांव का एक पढ़ा लिखा युवक लोगों की शंकाओं को दूर कर न्यूक्लियर एनर्जी के फायदे बताता है। कार्यक्रम में लेखों और छायाचित्रों पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

विशेषज्ञों ने प्रदर्शनी में आए छात्र-छात्राओं के सवालों का जवाब देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया और समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करने का सफल प्रयास किया। एमसीआरएफ की तरफ से मौजूद आरएम लाल ने न्यूक्लिअर एनर्जी के उपयोग पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस विषय पर देश-विदेश में छपे लेखों का भी प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम समन्वयक रामकृष्णा ने बताया कि प्रदेश के अन्य इलाकों में भी इस तरह के आयोजन होंगे। इस दौरान वहां भी अन्य क्षेत्र के विशेषज्ञ लोगों को जानकारियां देकर भ्रांतियां दूर करेंगे।

The Pioneer, Lucknow
Aug 28, 2011, page 4

AWARENESS PROGRAMME

A two-day awareness programme on the role of nuclear energy in India's energy security was organised in Lucknow on August 25 and 26. The programme included an exhibition, question-answer session and display of materials and other exhibits related to nuclear energy. A large number of students, many of them from Lucknow University and others, visited the programme and also attended the screening of a short film on the role of nuclear energy in ushering in prosperity. The event was organised by MCRF as part of a campaign to clear doubts over nuclear energy and its role in India's future energy security.

The Pioneer,
Lucknow
August 28, 2011

Lokmat,
Lucknow
August 27, 2011

Lokmat, Lucknow, Aug 27-11, Page 4

लोकमत

न्यूक्लिअर-एनर्जी पर आधारित प्रदर्शनी

बच्चों के आकर्षण का केन्द्र

लखनऊ | लोकमत संवाद

भारत को ऊर्जा सम्पन्न बनाने में नाभिकीय ऊर्जा (न्यूक्लिअर-एनर्जी) की भूमिका विषयक प्रदर्शनी का आयोजन शहर के लखनऊ विश्वविद्यालय सहित अन्य कॉलेजों में किया गया। आयोजन के दौरान मौजूद विशेषज्ञों ने प्रदर्शनी में आये जिज्ञासुओं के सवालों का जवाब देकर समाज में फैली भ्रांतिओं का दूर करने का सफल प्रयास किया।

जागरुकता अभियान के तहत भारत को सशक्त बनाने में न्यूक्लिअर एनर्जी की भूमिका विषय पर आधारित एक लघु फिल्म 'एक था बुधिया' भी दिखाई गई। इसका निर्माण न्यूक्लिअर पॉवर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने किया है। इस लघु फिल्म की कहानी और संवाद एनपीसीआईएल के मीडिया एंड कॉरपोरेट कम्यूनिकेशन मैनेजर अमृतेश श्रीवास्तव ने लिखे हैं। इसमें एक गांव की कहानी दिखाई गई है जहां न्यूक्लिअर एनर्जी प्लांट लगने की सूचना से लोग भयभीत हैं। गांव के लोग डरे हुए हैं कि अगर प्लांट वहां लगा तो उन लोगों की जान पर बन आएगी, प्लांट के कारण क्षेत्र में विकिरण फैल जाएगा और गांववासी कई जानलेवा रोगों के चपेट में आ जाएंगे। ऐसे में गांव का एक शिक्षित युवा न सिर्फ गांववासियों को एक साथ एक स्थान पर एकत्र कर उनके दिलोदिमाग में व्याप्त भ्रांतिओं को सफलता पूर्वक दूर करता है बल्कि प्लांट से उनके गांव, राज्य और देश को होने वाले लाभ के बारे में भी अवगत कराता है। अमृतेश द्वारा रचित एक था बुधिया का प्रकाशन पहली बार कॉमिक्स के रूप में किया गया था।

न्यूक्लिअर एनर्जी के प्रति जागरुकता और फैली भ्रांतिओं के निवारण के मद्देनजर इसकी लोकप्रियता और उपयोगिता को देखते हुए बाद में इसकी एनिमेशन फिल्म तैयार की गई। एमसीआरएफ द्वारा आयोजित जागरुकता कार्यक्रम में भारत में न्यूक्लिअर एनर्जी की बढ़ती जरूरत और भारतीय ऊर्जा सशक्तीकरण में इसकी भूमिका की विस्तृत जानकारी देते साहित्य का भी वितरण इन दौरान किया गया।

इस अवसर पर एमसीआरएफ की तरफ से मौजूद आरएम लाल ने बिजली के अलावा अन्य क्षेत्रों में न्यूक्लिअर एनर्जी के उपयोग पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम समन्वयक राम कृष्णा ने बताया कि जल्द ही इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन प्रदेश के अन्य स्थानों पर भी किया जाएगा।

Hindustan Times Lko Aug 28 2011, page 4

Exhibition on nuke energy awareness held

LUCKNOW: A two-day awareness programme on the role of nuclear energy in ensuring India's energy security was organised in Lucknow on August 25 and 26. The programme included an exhibition, a question-answer session and display of materials and other exhibits. A large number of students, many of them from Lucknow University, and others attended the programme. They viewed a short film - 'Ek thha Budhia' - on nuclear energy's role in ushering in prosperity. The Nuclear Power Corporation of India Limited (NPCIL) produced the film. The Media and Communication Research Foundation organised the event. **HTC**

Hindustan Times, Lucknow
August 28, 2011

न्यूक्लिअर - एनर्जी पर प्रदर्शनी आयोजित

लखनऊ २६ अगस्त। भारत को ऊर्जा सम्पनन बनाने में नाभिकोय ऊर्जा (न्यूक्लिअर-एनर्जी) की भूमिका विषयक प्रदर्शनी और इस न्यूक्लिअर एनर्जी के बारे में समाज में व्याप्त भ्रांतिओं को दूर करने के उद्देश्य से दो दिवसीय (२५-२६ अगस्त २०११) जागरूकता कार्यक्रम एमसीआरएफ द्वारा शहर में आयोजित किया गया। आयोजन के दौरान मौजूद विशेषज्ञों ने प्रदर्शनी में आये जिज्ञासुओं के सवालों का जवाब देकर समाज में फैली भ्रांतिओं का दूर करने का सफल प्रयास किया। इस कार्यक्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय सहित शहर और आसपास के विभिन्न कॉलेजों से बड़ी संख्या में आए छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

United Bharat, Lucknow
August 26, 2011